B.A. (Part-I) EXAMINATION, 2018

संस्कृत साहित्य (प्रथम प्रश्न-पत्र)

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 100

Part-I (Short Answer) **M.M. : 30**

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिसमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्न-पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

1. पद्मावती का कुल व्रत क्या था ?
2. "चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः" उक्ति का क्या अभिप्राय है ?
3. धन की कितनी गतियाँ होती हैं ?
4. मनुष्य की बुद्धि की जड़ता को कौन दूर करता है ?
5. अपने तिरस्कार से कामधेनु ने दिलीप को क्या शाप दिया ?
6. कालिदास ने रघुवंश के वर्णन की उपमा किससे दी है ?
7. मार्ग में मृग के जोड़े में सुदक्षिणा और दिलीप ने क्या देख ?
8. शब्दार्थ की सम्बद्धता को कालिदास ने किसके समान दर्शाया है ?
9. राजा दिलीप किस कारण से प्रसन्नचित्त और किस कारण से मलिनचित्त वाले हो रहे थे ?
10. "स्वप्नवासवदत्तम्" का पाँचवा अङ्क सबसे महत्त्वपूर्ण है। कारण बताइये।
11. भास-नाटक-चक्रं में भास के कितने नाटक गिने गये हैं ? नाम लिखिये।
12. वासवदत्ता के माता-पिता एवं भाइयों के नाम लिखिये।
13. "दुराग्रही मूर्खजन" के विषय में भर्तृहरि के विचार बताइये।
14. आश्रय योग्य राजा के छः गुण कौन कौन से हैं ?
15. न खलु वयस्तेजसो हेतुः सूक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

Part-II (Descriptive) **M.M. : 70**

भाग-II (वर्णनात्मक) **अधिकतम अंक : 70**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए- 5+5

(क) धीरस्याज्ञमसंश्रितस्य वसतस्तुष्टस्य वन्यैः फलै-
र्मानार्हस्य जनस्य वल्कलवस्तस्त्रासः समुत्पाद्यते।
उक्सिक्तो विनयादपेतपुरुषो भाग्यैश्चलैर्विस्मितः
कोऽयं भो निवृतं तपोवनमिदं ग्रामीकरोत्याज्ञया॥

(ख) खगा वासोपेताः सलिलभवगाढ़ो मुनिजनः
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूराद्रविरपि च संक्षिप्तकिरणो
रथ ण्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्त शिखरम्॥

(ग) कामेनोज्जयिनीं गते मयि तदा कामप्यवस्थां गते
दृष्ट्वा स्वैरमवन्तिराजतनयां पञ्चेषवः पातिताः।
तैरद्यापि सशत्यमेव हृदयं भूमश्च विद्धा वयं
पञ्चेषुर्मदनो यदा कथमयं षष्ठः शरः पातितः॥

(घ) ऋज्वायतां हि मुखतोरणलोलमालां
भ्रष्टां क्षितौ त्वमवशच्छीस मूर्ख। सर्पम्।

मन्दमिलेल निशि या परिवर्तमाना
किञ्चित् करोति भुजंगस्य विचेष्टितानि॥

2. ''स्वप्नवासवदत्तम्'' नाटक के आधार पर यौगन्धरायण की चारित्रिक विशेषताओं पर एक लेख लिखिए।

अथवा

कथावस्तु के आधार पर ''स्वप्नवासवदत्तम्'' नाटक की समीक्षा कीजिए। 5

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए– 14

(क) कृमिकुलचितं लालाक्लिन्नं विगन्धिजुगुप्सितं
निरूपमरञ्जप्रीत्या खादन्नरास्थि निरामिषम्।
सुरपपिमपि श्वा पार्श्वस्थं विलोक्य विशङ्कते
नहि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रह फल्गुताम्॥

(ख) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।
न मूर्खजन सम्पर्कः सुरेन्द्र भवनेष्वपि॥

(ग) निन्दन्तु निति निपुणाः यदि या स्तवन्तु
लक्ष्मी समाविशतु गच्छतु वा यथेटम्।
अद्यैव वा मरणस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात्पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः॥

(घ) एको देवः केशवो वा शिवो वा
ह्येकं मित्रं भूपतिर्वा यतिर्वा।
एको वासः पत्रने वा वने वा
एका नारी सुन्दरी वा दरी वा॥

4. ''नीतिशतक'' के अनुसार उद्यम प्रशंसा का वर्णन कीजिये।

अथवा

''नीतिशतक'' में वर्णित महत्त्वपूर्ण नैतिक शिक्षाओं का सोदाहरण वर्णन कीजिये। 6

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5+5

(क) द्वेषोऽपि संमतः शिष्टस्तस्यार्त्तस्य यथौषधम्।
त्याज्यो दुष्टः प्रियोऽप्यासी दङ्गुली वोरग क्षता॥

(ख) तस्मान्मुच्ये यथा तात संविधातुंतथार्हसि।
इक्ष्वाकूणां दुरापेऽर्शे त्वदधीना हि सिद्धयः॥

(ग) लोकान्तरसुखं पुण्यं तपोदानसमुद्भवम्।
संततिः शुद्धवंश्या हि परत्रेह च शर्मणे॥

(घ) प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिम ग्रहीत्।
सहस्त्रगुणमुत्स्त्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः॥ 5

6. रघुवंश महाकाव्य के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

अथवा

रघुवंश के प्रथम सर्ग के आधार पर राजा दिलीप की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 10

(क) संसारे एकतायाः अतीवावश्यकता वर्तते।

(ख) दूरदर्शनमधुना जीवनस्य अभिन्नमंगं वर्तते।

(ग) जीवनस्य सर्वेषु क्षेत्रेषु सत्यस्य अपेक्षा विद्यते।

(घ) यस्मै बालकाय फलं यच्छसि, तस्मै पुष्पमति यच्छ।
(ङ) जनकः पुत्रं असत्यभाषणात् रून्ध्यात्।
(च) विचित्र रूपाः खलु चित्रवृत्तयः।
(छ) माता पितरौ बालकं विद्वद्रूपेण दृष्टं इच्छतः।
(ज) गोपी दहनः नवनीतं निस्सारयति।
(झ) रावणः परशुरामस्य बाहुबलात् विभेति स्म।
(ञ) अनेन जनेन सह भ्रमणेन किम् ?

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 10
(क) कर्म करना ही तुम्हारा अधिकार है।
(ख) राम के सोने पर दशरथ बाहर आया।
(ग) हम अपने राष्ट्र की रक्षा करें।
(घ) हमारे विद्यालय में जितने बालक हैं, उतनी ही बालिकायें हैं।
(ङ) सनातन धर्म सारे धर्मों में प्राचीन है।
(च) मैंने उसको बीस प्रश्न पूछे।
(छ) विवाद मत करो।
(ज) कोई भी व्यक्ति सूर्यग्रहण न देखे।
(झ) ज्ञान के बिना युक्ति नहीं होती है।
(ञ) पिता के पीछे चलने वाले पुत्र को देखो।